हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 25 अगस्त 2025

11 बाबा कांशीगिरी मंदिर में झूम श्रद्धालु

12 भाजपा के चारों मंडलों की बैठकों में हुई चर्चा

खबर संक्षेप

प्रॉपर्टी आईडी की त्रुटि ठीक न होने से परेशान

बहादुरगढ़। शहर के जटवाड़ा मौहल्ला निवासी नरेंद्र राठी के अनुसार उनकी प्रॉपर्टी आईडी की

त्रुटि को ठीक करने की बजाय नगर परिषद अधिकारी बार-बार रिवर्ट करके उन्हें परेशान कर रहे हैं। नरेंद्र सिंह ने बताया कि वे बहादुरगढ़ के स्थाई निवासी हैं। लाल डोरा में उनके पिता के नाम से उनकी प्रॉपर्टी आईडी दर्ज है। उन्होंने 16 अप्रैल को नगर परिषद में सभी दस्तावेज जमा करवाए थे। फिर 3 जुलाई को एसडीएम कार्यालय के माध्यम से भी दस्तावेज जमा कराए। लेकिन उन्हें अब तक मालिकाना हक का प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है। नप अधिकारी कभी कहते हैं कि यह प्रॉपर्टी आईडी उनकी नहीं है और कभी कहते हैं कि यह मकान उनका नहीं है। जबकि वे सभी आवश्यक कागजात समय पर जमा करवाए जा चुके हैं। उनकी प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित समस्या का जल्द समाधान कर उन्हें मालिकाना हक का प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाए।

पिस्तौल-कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सीआईए-टू बहादुरगढ़ की पुलिस टीम ने शहर से अवैध हथियार व कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर अंबेडकर स्टेडियम के निकट से शक की बिनाह पर गिन्नी निवासी रोहतक को काबू किया। तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक अवैध हथियार और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। उसके खिलाफ केस दर्ज कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

बादली में सरेआम सट्टा खेलते पकड़ा, केस

बहादुरगढ़। पुलिस नेए सरेआम सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाईवाली करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। थाना बादली प्रबंधक सुरेश कुमार ने बताया कि सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाईवाली करते हुए रामवीर निवासी बादली को पकड़ा गया। मौके पर तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 520 रुपए नगदी और सट्टा पर्चा बरामद हुई। उसके खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत थाना बादली में मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई।

चोरी की बाइक सहित एक आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा नाकाबंदी के दौरान यूपी निवासी एक व्यक्ति को चोरी की हुई मोटरसाईकिल सहित गिरफ्तार किया गया है। पुलिस चौकी मातनहेल प्रभारी सत्यवीर ने बताया कि मातनहेल से झाड़ली रोड पर पुलिस टीम द्वारा वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी समय एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी जिसे पुलिस टीम ने रुकवा कर चेक किया तो मोटरसाइकिल चालक कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। बाद में चलानिंग मशीन में मोटरसाइकिल का नंबर डालकर देखने पर पर पता चला कि यह मोटरसाइकिल थाना कासना उत्तर प्रदेश से चोरी हुई है। जिस पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान हरिओम निवासी नरौदा जिला संबल यूपी हाल मातनहेल के तौर पर की गई।

खानपुर कलां की बेटी तपस्या बनीं जूनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियन

57 किलोग्राम भार वर्ग में देश का नाम रोशन किया, दिल्ली एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

कुश्ती स्पर्धा में झज्जर का नाम एक बार फिर से रोशन हुआ है। जिले के गांव खानपुर कलां निवासी करीब 18 वर्षीया रेसलर तपस्या गहलावत ने बुल्गारिया में हुई जूनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। उसने यह पदक 57 किलोग्राम भार वर्ग में हासिल किया। रविवार को स्वदेश लौटने पर दिल्ली एयरपोर्ट पर उसका स्वागत किया गया। तपस्या ने यह पदक जीत कर अपने पिता का सपना पूरा किया है। तपस्या के पिता परमेश गहलावत स्वयं राष्ट्रीय स्तर के पहलवान रहे हैं। पेट की बीमारी के कारण उन्हें पहलवानी छोड़नी पड़ी। इसके बाद उन्होंने ठान लिया कि वे अपनी 5 साल की बेटी के जरिए ओलिंपिक का सपना पूरा करेंगे। तपस्या की मां डॉक्टर नवीन गहलावत सोनीपत के एक गर्ल्स कॉलेज में संस्कृत की प्रोफेसर हैं। हालांकि उनकी मां पहलवानी के खिलाफ थीं और वे उसे डॉक्टर बनाना चाहती थी लेकिन तपस्या ने भी अखाड़े को ही अपना करियर चुना। तपस्या के परदादा हजारी लाल भी जहां पहलवान रहे।

- तपस्या ने पदक जीत कर अपने पिता का सपना पूरा किया
- पिता परमेश गहलावत स्वयं राष्ट्रीय स्तर के पहलवान रहे

झज्जर। एयरपोर्ट पर साथी खिलाड़ियों व परिजनों के साथ होनहार खिलाड़ी तपस्या गहलावत।

तपस्या को नहीं दी दादा के निधन की जानकारी

उसके दादा राममेहर सिंह आर्मी से सूबेदार के पद से रिटायर्ड हुए। उनका निधन बीती 14 अगस्त को हुआ, लेकिन परिवार ने यह खबर तपस्या से छिपाए रखी ताकि खेल पर विपरीत प्रभाव न पड़े। इसलिए रविवार को गांव पहुंचने पर भी कोई बड़ा आयोजन नहीं किया गया।

15 से 20 मिनट की तेज बारिश भी नहीं झेल पाया शहर, जलभराव से आफत

अंबेडकर चौक, सीताराम गेट, पुराना तलाव रोड सहित अन्य स्थानों पर पानी भर गया

झज्जर। बारिश के बीच गुजरते हुए वाहन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार दिनभर मौसम का मिजाज बदलता रहा। कभी आसमान में बादल और कभी धूप निकलती रही। लेकिन सांय एकाएक मौसम का मिजाज बदला और करीब पंद्रह से बीस मिनट तक तेज बारिश हुई। जिसके कारण मौसम खुशनुमा हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। रविवार को अधिकतम तापमान डिग्री 30 सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी दिनों में भी मौसम परिवर्तनशील रहने का अनुमान लगा रहे है। उधर, बरसात के कारण अंबेडकर चौक, सीताराम गेट, पुराना तलाव रोड सहित अन्य स्थानों पर पानी भर गया। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

गुढ़ा में निकासी न होने से घरों की दहलीज तक पहुंचा बरसात का पानी

झज्जर। पानी निकासी के लिए लगाई गई मोटर व घर के बाहर जमा बरसाती पानी।

झज्जर। बरसाती पानी निकासी न होने के कारण क्षेत्र के गांव गुढ़ा में जलभराव की समस्या बनी हुई है। जोहड़ ओवरफ्लो होने के कारण बरसाती पानी घरों की दहलीज तक पहुंच चुका है। ऐसे में जोहड़ किनारे रहने वाले लोगों को आवागमन में कठिनाई हो रही है।

गांव निवासी धर्मेंद्र ने बताया कि उनका मकान जोहड़ के नजदीक है। पिछले दिनों हुई बरसात के बाद गांव के नजदीक लगते खेतों में भी जलभराव की स्थिति की उत्पन्न हो गई थी। ऐसे में अधिकांश किसानों द्वारा खेतों का पानी जोहड़ में उतार दिया गया है। जिस कारण अब जोहड़ ओवरफ्लो हो गया है। पिछले दो दिनों में बरसात के चलते जोहड़ का पानी मकान के अंदर तक घुस गया। जिसकी निकासी के लिए उन्हें भी मोटर का सहारा लेना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी पशुओं की है।

जलभराव के कारण वह दूसरे व्यक्ति के प्लाट में पशु बांधने को मजबूर है। स्कूल आने-जाने वाले बच्चों को भी जलभराव के कारण परेशानी आती है। इसके अलावा जहां उनके मकानों में सीलन पहुंच रही है वहीं बीमारी संक्रमण का खतरा भी बना है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि पानी निकासी की व्यवस्था कर उन्हें समस्या से निजात दिलाई जाए।

मौसम

रुक-रुककर होती रही रिमझिम बारिश

बहादुरगढ़। रविवार को दिनभर रिमझिम एवं हल्की बरसात का दौर चला। शहर समेत ग्रामीण इलाके में भी रुक-रुककर रिमझिम बारिश होती रही। सुबह से धूप और बादल के बीच खेल शुरू हुआ, जो शाम तक चलता रहा। देखते ही देखते हल्की बरसात शुरू हो गई। यह रिमझिम बारिश रुक-रुक कर दिनभर चलती रही। मौसम विभाग ने भी 26 अगस्त तक बारिश को लेकर अलर्ट जारी कर रखा है। बूंदाबांदी होने की संभावना है।

कच्चा सुर्खपुर रोड पर बने गड्ढों ने बढ़ाई मुसीबत वाहन चालक परेशान

झज्जर। कच्चा सुर्खपुर मार्ग की टूटी हुई सड़क पर जलभराव।

झज्जर। शहर से जुड़ने वाला कच्चा सुर्खपुर रोड बदहाली की मार झेल रहा है। गांव जाने का छोटा रास्ता होने के कारण इस मार्ग का उपयोग गांव के अधिकांश लोग करते हैं। लेकिन सड़क पर बने गहरे गड्ढों के चलते लोगों की परेशानी आ रही है। बरसात के दिनों में इन गड्ढों में पानी भरने से सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है और वाहन चालकों को आए दिन हादसों का डर सताता रहता है। ग्रामीण रवि व मास्टर विजेंद्र ने बताया कि यह मार्ग गिरावड़, भदानी, खेडी आसरा आदि गांवों को भी जोड़ता है। अधिकांश लोग इसी रास्ते से आवाजाही करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन कीचड़ और उबड़-खाबड़ रास्ते के कारण स्कूली और कॉलेज जाने वाले बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

- सड़क गिरावड़, भदानी, खेडी आसरा आदि गांवों को भी जोड़ती है
- बरसात के दिनों में इन गड्ढों में पानी भरने से सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है
- कॉलेज व स्कूल जाने वाले छात्र भी परेशान

सड़क की मरम्मत करने की मांग : ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द गड्ढों को भरवाकर सड़क को दुरुस्त किया जाए, ताकि आवागमन सुचारू हो सके और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। इसके अलावा सेक्टर नौ और देवालय मंदिर में आने वाले लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन सड़क की जल्द मरम्मत करवाए।

बहादुरगढ़ में दस दिन से नहीं हो रही गैस की ऑनलाइन आपूर्ति

सीएनजी नहीं मिलने से वाहन चालक परेशान, इंतजार लगातार हो रहा लंबा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बीते दस दिनों से स्थानीय सीएनजी पंपों पर ऑनलाइन सीएनजी गैस नहीं पहुंच रही है। जिसकी वजह से वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि ऑफलाइन माध्यम से सीएनजी उपलब्ध करवाकर कंपनी इस परेशानी को कम करने की कोशिश कर रही है। लेकिन अगले 10-15 दिनों में ही स्थिति सामान्य होने की संभावना है।

बता दें कि बागपत के मवीकलां में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे के पास यमुना में गेल कंपनी की सीएनजी पाइपलाइन 16 अगस्त की दोपहर करीब 12 बजे दो स्थानों पर तेज धमाके के साथ फट गई थी। इससे यूपी, हरियाणा व दिल्ली के कुछ हिस्सों में गैस सप्लाई बाधित हुई थी। गैस पाइप लाइन दुरुस्त करने की प्रक्रिया जारी है। कंपनी प्रवक्ता के अनुसार जल्द ही डेढ़ किलोमीटर लंबी नई गैस पाइप लाइन पुरानी लाइन के अंदर से ही डाली जाएगी। बीते दस दिनों से बहादुरगढ़ के सीएनजी पंपों पर ऑनलाइन माध्यम से गैस नहीं मिल पा रही है। इससे सीएनजी वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बहादुरगढ़। फिलिंग स्टेशन पर सीएनजी डलवाते एक कार चालक।

दिल्ली के पंपों पर लगी वाहनों की कतारें

इसके फलस्वरूप दिल्ली के सीएनजी पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। बहादुरगढ़ में हर रोज करीब एक लाख किलोग्राम सीएनजी गैस की खपत होती है। लेकिन गेल इंडिया की पाइपलाइन में फाल्ट के चलते ऑनलाइन गैस आपूर्ति नहीं हो रही। ट्रकों के माध्यम से मांग के मुकाबले 15 फीसद ही आपूर्ति हो पा रही है। जय जवान जय किसान फिलिंग स्टेशन के संचालक प्रदीप जून ने बताया कि वे सामान्यत: 9 हजार किलोग्राम सीएनजी प्रतिदिन बेचते थे। लेकिन ऑनलाइन आपूर्ति बंद होने के बाद ऑफलाइन ट्रकों के माध्यम से 1200 किलोग्राम गैस ही उपलब्ध हो पा रही है। उनके जैसे पंप केवल सीएनजी पर निर्भर हैं। इसीलिए वाहन चालकों के साथ उन्हें भी नुकसान हो रहा है। अभी सीएनजी गैस की आपूर्ति सही ढंग से होने में 10 से 15 दिन लग सकते हैं। तब तक सीएनजी गैस लेने के लिए वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ेगी।

मिट्टी के गणेश की छोटी मूर्तियों की बढ़ी मांग, बुधवार से घर-घर विराजेंगे बप्पा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बुधवार से शुरू होने वाले गणेशोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। गणेश पूजा और मूर्ति स्थापना के लिए 27 अगस्त को मध्याह्न काल शुभ समय माना गया है। पंडालों में विराजमान होने के लिए बड़ी मूर्तियां तैयार हो चुकी है। इसके अलावा घरों में स्थापना के लिए छोटी मूर्तियों की मांग भी बढ़ी है। छोटी मूर्तियों में गजानन के कई रूपों को साकार किया गया है।

पंडित महेंद्र शर्मा के अनुसार भाद्रपद मास की चतुर्थी तिथि 26 अगस्त 2025 को दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट तक रहेगी। ऐसे में इस वर्ष गणेश चतुर्थी का पावन पर्व बुधवार 27 अगस्त को मनाया जाएगा। इसी दिन घर-घर और मंदिरों में गणेश स्थापना की जाएगी। पूजा का शुभ समय सुबह 11 बजकर 5 मिनट से दोपहर 1 बजकर 40 मिनट बजे तक रहेगा। इस दौरान विधि-विधान से गणेश जी की प्रतिमा को स्थापित कर पूजा करना शुभ रहेगा। गणेश उत्सव का समापन अनंत चतुर्दशी पर 6 सितंबर को होगा। दस दिनों की भक्ति उपासना के बाद भक्त गणपति बप्पा से पुनः शीघ्र आने की प्रार्थना करते हुए प्रतिमा का विसर्जन करेंगे। पूजा पंडालों के लिए बड़ी प्रतिमाओं के साथ ही इस बार मिट्टी की बनी छोटी मूर्तियों की मांग सबसे ज्यादा है। छोटी मूर्तियों में बाल गणेश का रूप जहां लोगों को आकर्षित कर रहा है। वहीं अष्टविनायक, सिद्धिविनायक और कमल गणेश की मूर्तियों की मांग ज्यादा है।

बहादुरगढ़। मूर्तिकारों द्वारा तैयार गणेश जी की छोटी मूर्तियां।

खोखरा कोट

रोहतक शहर के मध्य बसे खोखरा कोट का इतिहास शताब्दियों पुराना है। खुदाई के दौरान यहां से 350 ई. पूर्व के प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने इसे अपने अधीन ले रखा है। इतिहासकार बताते हैं कि योधेयों के नगर रहे खोखरा कोट में राजप्रणाली प्रजातंत्र की होती थी। इसका अंतिम शासक खोखर गोत्र का व्यक्ति था, जिसकी वजह से इसका नाम खोखरा कोट पड़ा। कोट का अर्थ किला होता है।

सांग पुरोधाओं में शुमार रहे निहालचंद 'निहाल'

भावपक्ष व शिल्पपक्ष की दृष्टि से निहालचंद 'निहाल' का काव्य बेजोड़ है। भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्य, अध्यात्म, गुरुभक्ति, समाज-सुधार, नीति, नारी-सम्मान, देशभक्ति, युगबोध का चित्रण पग-पग पर अवलोकनीय रहा है।

कला-संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

साहित्य समाज का दर्पण होता है और लोक-साहित्य लोकजीवन का दर्पण होता है। लोकजीवन में जो कुछ घटित होता है उसका पूरा ब्यौरा लोक-साहित्य में समाहित रहता है। लोक-साहित्य की अनेक विधाएं हैं, जैसे लोकगीत, लोककथाएं, लोकगाथाएं एवं लोकनाट्य आदि। पर लोकनाट्य अर्थात सांग सभी कलाओं का समुच्चय है।

इसमें गीत, संगीत, कथा, नृत्य आदि सब कुछ समाहित रहता है इसलिए लोकजीवन में सबसे ज्यादा प्रभाव लोकनाट्य का पड़ता है। हरियाणा का सांग साहित्य कभी से बड़ा प्रसिद्ध रहा है। यहां पर अनेक महान सांगी हुए हैं, जिन्होंने इस कला को पोषित करने में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। इन्हीं में से एक थे सांग-पुरोधा निहालचंद 'निहाल'। निहालचंद 'निहाल' की गणना अपने समय के महान सांगियों में होती है। इनका जन्म 21 अक्टूबर, 1887 को गांव नांगल ठाकरान में एक गौड़ ब्राह्मण किसान परिवार में हुआ। सांग के क्षेत्र में इनका ऐतिहासिक बहुमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। इन्होंने हरिश्चंद्र, राजा उत्तानपाद, नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, भगत पूर्णमल, चाप सिंह, रामलीला, कृष्णलीला, महाभारत, राजाभोज-शरणदे, सरवर-नीर, चंदकिरण, ज्यानी चोर, जमाल-गबरू, गोपीचंद तथा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप आदि सांगों तथा अनेक मुक्तक भजनों की रचना की।

काव्य के भावपक्ष व शिल्पपक्ष की दृष्टि से इनका काव्य बेजोड़ है। भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्य, अध्यात्म, गुरुभक्ति, समाज-सुधार, नीति, नारी-सम्मान, देशभक्ति, युगबोध का चित्रण पग-पग पर अवलोकनीय है। हरियाणा समेत समस्त उत्तर भारत में इनके सांग होते थे। उस समय इनके सांगों की हर जगह धूम मची हुई थी और बाल व वृद्ध सभी बड़े चाव से इनके सांगों को देखते थे।

निहालचंद 'निहाल' ने अपनी खुली आंखों से लोकजीवन को देखा, जीया, जांचा और परखा तथा अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने अपने सांगों में लोक संस्कृति का प्रभावात्मक चित्रण किया जिसकी चहुंदिशा में प्रशंसा हुई। यही नहीं हरियाणा के सूर्यकवि पं. लखमीचंद जैसे लोकनाट्य कला के महारथी ने भी उनके पास रहकर सांगकला की बारीकियों को सीखा। इसका उल्लेख हिंदू विश्वकोश कोलंबिया (यू.एस.ए) में हुआ है। ऐसे महान कलाकार के लोक साहित्य के लिए किए गए योगदान को यहां प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

निहालचंद 'निहाल' का समय स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए बड़े संघर्ष का समय था। सभी भारतीय अपने-अपने तरीके से स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु प्रयास कर रहे थे। निहालचंद 'निहाल' भी अपने सांगों के माध्यम से अनेक अमर बलिदानियों के उदाहरण देकर लोगों को आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए और स्वदेशी सामान का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करते रहते थे। उन्होंने देशभक्ति की काफी

रचनाएं की और देश की आन, बान और शान पर मिटने वाले 'महाराणा प्रताप' का देशभक्ति प्रेरक सांग बनाया और अभिनीत किया। अपने भजनों में अंग्रेजों की खिलाफत की, जिसके कारण इन्हें, उनके क्रोध का भाजन भी बनना पड़ा। कई बार ऐसा न करने की चेतावनी मिली। उसके बाद गिरफ्तार भी कर लिए गए। इनकी देशभक्ति की रागनियाँ पूर्णतः प्रतिबंधित कर दी गई। दर्शनीय है इनकी यह रचना-

भाइयो हो ज्याओ सब त्यार,
देश माँगता कुर्बानी ॥
सिर पै कफन बांध ल्यो सारे।
इंकलाब के लाओ नारे।
गोर्यां नै घणे जुल्म गुजारे।
मारे बहोत घणे नर-नार,
होगे अमर बलिदानी ॥

निहालचंद 'निहाल' के सांगों में न्यूनाधिक मात्रा में सभी दर्शनों का उल्लेख हुआ है। साक्ष्यार्थ उनकी एक रचना प्रस्तुत है; जिसमें सत, रज, तम की त्रिगुणी माया, पंच भूत, दस इंद्रियों, पच्चीस प्रकृति आदि का वर्णन है-

उस निराकार परब्रह्म की छाया मिल गई।
पाँच तत्त्व जिनमैं त्रिगुणी माया मिल गई।
शहंशाह बण्या तू रय्यत राया मिल गई।
राजधानी सुन्दर नगरी काया मिल गई।
हाड माँस मज्जा रक्त और चाम-चाम-चाम ॥
मानज्या भजै नै मन राम - राम - राम ॥

मनुस्मृति में वर्णाश्रम व्यवस्था का पूर्ण उल्लेख हुआ है। निहालचंद 'निहाल' ने अपने एक भजन के माध्यम से हमारी प्राचीन सामाजिक व्यवस्था को इस प्रकार प्रस्तुत किया है-

ब्राह्मण के छः कर्म वेद का पढ़णा और पढ़ाणा था।
वेदशास्त्र मनु - स्मृति गीता ज्ञान सुणाणा था।
दान का देणा खुद भी लेणा यज्ञ करणा, करवाणा था।
थी ब्रह्म की पहचान शील संतोष दयालु बाणा था।

> दादी सती मंदिर और दादा मालदेव मंदिर नांगल ठाकरान में लगाए गए बरगद के विशाल वृक्ष उनके प्रकृति प्रेम के साक्षी हैं तथा लोगों के जेहन में अब भी उनकी स्मृति को ताजा करते रहते हैं।

पतिव्रत-धर्म नारी की उत्कृष्टता का सर्वश्रेष्ठ प्रतिमान है। निहालचंद 'निहाल' ने भारतीय संस्कृति के इस जाज्वल्यमान पक्ष को पतिव्रता द्रौपदी के माध्यम से उजागर किया है-

सुणै कथा भागवत ग्रहस्थ धर्म सीखै और हमें सिखावै।
आशा, तृष्णा, दुबधा, दुर्मति की नहीं तरफ लखावै।
नित अमृत भर्या रहै जिव्हा मैं चाखै और चखावै।
रवि, मंगल, पून्नम, एकादशी का राखै व्रत रखावै।
गऊ ब्राहाण साधू नै जिमा अँजल करै ब्रतीबासी ॥

हमारे लोकजीवन में आचरणीय और माचरणीय बातों की एक लम्बी श्रृंखला है। सज्जन लोग सदाचार की राह पर चलते हैं और दुष्ट सदा इसके विपरीत। अतः हमारी रीतिनीति को निहालचंद 'निहाल' ने इस प्रकार विवेचित किया है-

बेमतलब बेकाम जीत और हार नहीं करणी चाहिए।
सुण कायदे से बाहर नार की सार नहीं करणी चाहिए।
धाय वैद्य रसोइया मित्र से तकरार नहीं करणी चाहिए।
दस पाँच आदमी मना करैं वा कार नहीं करणी चाहिए।

भारतीय संस्कृति में मानवीय मूल्यों का बड़ा महत्त्व है। इसी सिद्धांत को अपनाते हुए निहालचंद 'निहाल' ने भारतीय संस्कृति में अनुस्यूत नैतिक मूल्यों की स्थापना की है। प्रमाण स्वरूप उनकी यह रागनी देखिए-

धीरज धर समय पड़ी मैं रै ॥
कड़वा बोलै विष घुलज्या।
आगै भली बुरी सब खुलज्या।
तुलज्या सत्त धर्म धड़ी मैं रै ॥

एक माँ के हृदय में अपनी संतान के प्रति अगाध वात्सल्य होता है। उसकी झलक निहालचंद 'निहाल' की इस रागनी में मिलती है। इसलिए बेटे के मरने का दुख व उस असहनीय स्थिति को उन्होंने निम्नलिखित रचना में इस प्रकार दर्शाया-

बेटा तेरे बिन रोहतास, रही ना तेरी माँ किसे दीन की, मरूँ कित टक्कर मारकै ॥

निहालचंद 'निहाल' के काव्य का भाव-पक्ष तो सबल था ही, उनका अभिव्यक्ति पक्ष एवं काव्य-सौंदर्य पक्ष भी दर्शनीय था। महारानी सुदेष्णा, सैरन्ध्री (द्रौपदी) के सौंदर्य की समता कभी ब्रह्माणी (सरस्वती), इन्द्राणी, लक्ष्मी, पार्वती और अग्नि की पत्नी स्वाहा से करती है, तो कभी उसे देवलोक की अप्सरा बताती है और उसके आंगिक सौन्दर्य को इस प्रकार उद्घाटित करती है-

तेरा नाक सुआ-सा मुँह बटवा-सा सुर्ख लबों पै लाली।
मिजगां के तीर अबरू कमान, दो जुल्फ नाग-सी काली।
तेरी तिरछी नजर प्रेम की चितवन, वार नहीं जा खाली।
कहै निहालचंद उस बेमाता नै तू घड़ी बैठ कै ठाली।
सुण कोयलबैनी मृगनैनी, तेरै घली कुदरती स्याही ॥
इस दुनिया मैं इतनी सुथरी कोन्या और लुगाई ॥

कीचक और सैरन्ध्री के संवादों में तो संयोग-श्रृंगार मानो जीवन्त ही हो उठा है। कीचक का सैरन्ध्री को रति-रण के लिए आमंत्रण में तो मानो श्रृंगार रस का सोता ही फूट पड़ा है। देखिए-

वो बाजीगर खेल रचावै, काम रति का मेळ मिलावै,
सैरन्ध्री म्हारै कद-कद आवै, दुख-सुख बुझूँ दारू पिलाकै।
सुकड़ रही सर्दी की मारी, काया खुलज्यागी गर्माकै ॥
बिछ रहे पिलंग निवारी सोइये, उठकै मुख साबुण से धोइये,
बाळ-बाळ मैं मोती पिरोइये, गूँथ लिए सिर चोटी न्हाकै।
लाइये तेल फुलेल शरीर मखमल सा हो ज्यागा नरमा कै ॥

करुण रस के छिटपुट प्रसंग तो इनके सभी सांगों में समाहित हैं, किन्तु महाभारत एवं विराट पर्व में इस रस का मार्काखेज वर्णन है। कीचक वध के उपरांत उसके भाई द्रौपदी को कीचक की अर्थी के साथ जीवित ही कीचक की चिता में झोंक देने की ठान लेते हैं। ऐसी हृदय विदारक स्थिति में असहाय द्रौपदी भगवान को टेरने के अतिरिक्त और कर भी क्या सकती है। निहालचंद 'निहाल' की अग्रदत्त रागनी में मानो करुण रस साकार हो उठा है-

बड़ी जोर से दान्ने चले, शमशान भूमि आ गई।
सती रुदन कर हारी बिचारी, फूल ज्यूँ कुम्हला गई ॥
बुलबुल फंसी है जाल मैं, नहीं बस चलै अब क्या करूँ।
रस्ता बता परमात्मा, मेरी आत्मा दुख पा गई ॥
कहैं निहालचन्द करता तू ही, मारै तू ही मरता तू ही।
अद्भुत प्रभु लीला तेरी, बुद्धि मेरी चकरा गई ॥

जीवन के अंतिम पड़ाव पर ये लोककल्याण एवं भक्तिभावना में लीन हो गए। इन्होंने जगह-जगह पीपल एवं बरगद के पेड़ लगाए तथा प्रतिदिन लोगों को गीता, महाभारत रामायण एवं पौराणिक कथाएं सुनाने लगे। सांग-पुरोधा निहालचंद 'निहाल' 24 फरवरी 1995 को अपने परिवार को भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश सुनाते-सुनाते ब्रह्मलीन हो गए।

उनके कर-कमलों से दादी सती मंदिर व दादा मालदेव मंदिर नांगल ठाकरान में लगाए गए बरगद के विशाल वृक्ष उनके प्रकृति प्रेम के साक्षी हैं तथा लोगों के जेहन में अब भी उनकी स्मृति को ताजा करते रहते हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि सांग की जिस ज्योति को निहालचंद 'निहाल' से पूर्व सांगियों ने प्रज्वलित किया था, निहालचंद 'निहाल' ने उसमें अपनी साहित्य एवं काव्य साधना का घृत डालकर उस ज्योति को प्रकाशमान रखने का पूर्ण एवं सफल प्रयास किया है।

कविता | डॉ. फूल कुमार राठी

कुत्यां की पंचायत

झबरू बोल्या माणस जात नै, कर दिये घाव कसूते,
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

अलग होण तैं पहल्यां थमनै, बात ज्ञान की कह ज्यांगे,
हम तो दूर चले जांगे, पर कुत्ते फेर भी रह ज्यांगे।
ईश्वर थारा भला करैगा, बसो-घसो सुख मौज तैं,
म्हारै साथ किसी ए बण लियो, सारी हँस के सह ल्यांगे।
जै म्हारी कोए ग़लती हो तो, बेशक मारो जूते।
करण फ़ैसला बैठ गए मिल कै, दिल्ली के कुत्ते।

न्यारी करल्यो फैमिली आई.डी., न्यारे राशन कार्ड हों,
अलग हो सीमा, अलग बसासत, अलग गांव और वार्ड हों।
सारी सुविधा वो ल्यांगे, जो माणस जात नै मिलरी सैं,
जो म्हारे नेता और मंत्री, उनके भी बॉडी गार्ड हों।
इबी भी ना जागांगे तो, रह जावांगे सुत्ते।
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

अलग करो हदबस्त हमारी, खेवट तक भी न्यारी हों,
हम भी करल्यां पेट गुजारा, बोवण नै कुछ क्यारी हों।
माणस, छाणस नहीं काम के, इनकी पैड़ चालियो ना,
अपनी पंचायत के अंदर, सारी बात ब्यौहारी हों।
भोत रह लिए इनकै भरोसै, इब अपणै बलबूते,
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जंग की उमंग

आज अचानक त्यारी करली मां के जाये बीर तनै
छुट्टी छौड़ अधूरी बहना जाणा सै कश्मीर मनै

छुट्टी छौड़ अधूरी भाई आज क्यूकर होग्या जाणा
सीओ साहब की चिट्ठी आई चाहिए फर्ज निभाणा
इस चिट्ठी में के लिख राख्या चाहिए भेद बताणा
कारगिल में दुश्मन आकै करण लगा धिंगताणा
देश की रक्षा करणी सै या लिखा ल ई तकदीर तनै
देश कै उपर अर्पित करणी तन मन की जागीर मनै

देश की रक्षा करणी चाहिए बता कौण तनै नाटै सै
ताक़त शस्त्र दुश्मन आगै बिरला ऐ दिल डाटै सै
कायर और निडर नै भाई या रणभूमि छाटै सै
हे रण मैं चढज्या खून उबल[illegible] जब बेरा पाटै सै
दुनिया म्हा तै दुश्मन का ठाणा सांझा शीर तनै
तेरे बोला का मेरी छाती मैं गाड़ लिया तीर मनै

मां का दूध लजाइये मतना जब तनै जाणु मैं
कायर भाजै पिठ दिखाकै रण में छाती ताणु मैं
मेरे मन की चाही पुरी करदे याहे बात बखाणु मैं
गेरु गोले ओले सोले हे बणज्यागा परमाणु मैं
या सारी दुनिया जाणै सै भारत के रणधीर तनै
सदा तिरंगा सजा रहे या लौह की समझ लकीर मनै

केसर क्यारी कश्मीर हमारी दुश्मन के चाहवै सै
वो धोखा देकै आ बैठा के धोखे तै थावै सै
जल्दी करकै जा भाई क्यू सहम वार लावैसै
यो महेंद्र सिंह बिलोटे आला सिर बिस्तर ठावै सै
जाते जाते अपने हाथा देऊ पिला नीर तनै
जीत लड़ाई तेरे हाथा का खाणा हलवा खीर मनै

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

1857 का संग्राम

अंग्रेजों ने कर्नल हड़सन के नेतृत्व में एक सेना दिल्ली से 14 अगस्त 1857 को रोहतक के लिए की थी रवाना

रोहतक के किले में लगाया था रांघड़ों ने मोर्चा

इतिहास | यशपाल गुलिया

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मई 1857 में आरम्भ हुआ था, तब स्वतंत्रता सेनानियों ने दिल्ली को अंग्रेजों से मुक्त करवा लिया था, जो केवल चार मास तक ही कायम रहा। अंग्रेजों ने दिल्ली पर फिर से अधिकार करने के लिए पंजाब के देशी शासकों से सैन्य सहायता प्राप्त की तथा दिल्ली के बाहर बाड़ा हिन्दुराव के स्थान पर पड़ाव लगा लिया था।

दरअसल, दिल्ली की चारदीवारी के अन्दर सेनानियों का कब्जा था जिन्होंने उस अंग्रेज सेना से बाहर निकलकर अनेक बार युद्ध किए थे। उस अंग्रेज सेना को पीछे से आक्रमण का भय बना रहता था, जिसके लिए उन्होंने नजफगढ़, खरखौदा तथा रोहतक तक सेनानियों से युद्ध करने पड़े थे। तब तक रोहतक का किला भी बेहतर अवस्था में था। उसी किले में आस-पास के रांघड़ों ने मोर्चा लगा लिया था। उल्लेखनीय है कि अंग्रेजों की प्रथम पंजाब कवैलरी केवल रोहतक के आसपास रांघड़ों द्वारा गठित थी। यह 1857 में मऊ में तैनात थी तथा वे सभी बगावत करके अपने हथियारों सहित रोहतक व खरखौदा आदि क्षेत्रों में संगठित हो गए थे। खरखौदा में विसारत में अली नामक रांघड़ तथा रोहतक में बबर खां नामक व्यक्ति ने युद्ध सामग्री के साथ-साथ नेतृत्व का निर्णय ले लिया। दिल्ली की रिज पर स्थित अंग्रेजों को जब रांघड़ों की तैयारियों का पता लगा तो उन्होंने कर्नल हड़सन के नेतृत्व में एक सेना रोहतक के लिए भेज दी। उस सेना में केवल अधिकारी अंग्रेज थे, जैसे मैकडोवल, लेफ्टिनेंट वाईज, कैप्टन वार्ड व लेफ्टिनेंट हफ गफ आदि। जबकि सैनिक भारतीय देशी शासकों द्वारा भेजे हुए थे।

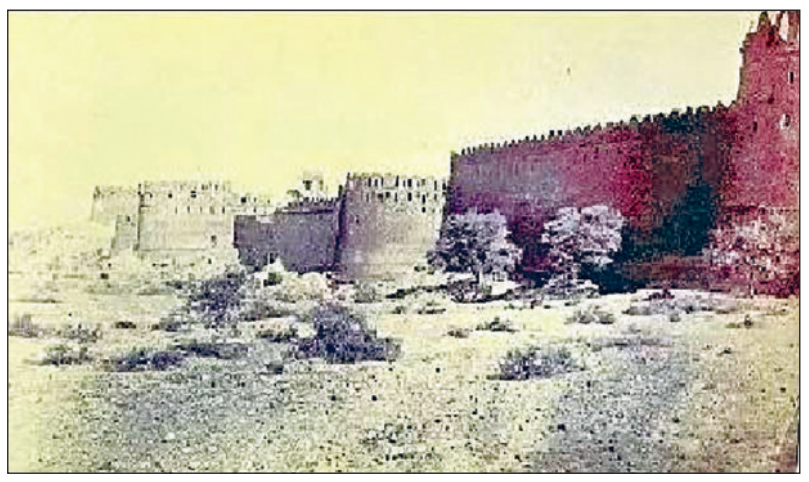

इस प्रकार आदेशानुसार हड़सन ने दिल्ली से 14 अगस्त 1857 को रोहतक के लिए प्रस्थान किया। लेकिन 15 अगस्त को अंग्रेज सेना का प्रस्थान खरखौदा में ही हो गया। विसारत अली के नेतृत्व में आस-पास के हसनगढ़ आदि के रांघडों ने हड़सन की सेना पर भीषण प्रहार किए लेकिन हथियार आदि के अभाव में खरखौदा के युद्ध में सेनानियों की पराजय हुई और अंग्रेज सेना 16 अगस्त को रोहतक को कुच कर गई। वहां जाकर हड़सन की सेना ने पुरानी कचहरी वाले स्थान पर पड़ाव लगा लिया। जबकि बबर खां के नेतृत्व में इकट्ठे हुए रांघड़ व पठानों ने किले में मोर्चा लगा रखा था। इनमें बागी सैनिकों के अतिरिक्त सिविलियन भी शामिल थे। एक अंग्रेज लेखक के अनुसार रोहतक में 300 घुड़सवार तथा 700 बन्दूकधारी इकट्ठे हो गए थे। अंग्रेज कमान्डर हड़सन ने सेनानियों की तैयारी देखकर 18 अगस्त को पीछे हटने का दम्भ भर दिया। इसके बाद किले से बाहर निकलकर सेनानियों ने अंग्रेज सेना पर आक्रमण कर दिया। लेकिन छलावे की रणनीति के कारण हड़सन की सेना ने रोहतक वालों को दो तरफ से घेर लिया और कुछ समय तक 18 अगस्त को भीषण युद्ध हुआ। इसमें सेनानियों को भारी हानि के बाद पराजय का मुंह देखना पड़ा। परन्तु रोहतक के किले पर कुछ बन्दूक धारियों की उपस्थिति के कारण वहां पर अंग्रेजों का कब्जा नहीं हो सका। अंग्रेज सेना जसीया गांव की तरफ से सोनीपत की ओर कूच कर गई। यहां उल्लेखनीय है कि झज्जर व दुजाना के नवाबों ने तब कोई भूमिका अदा नहीं की और ना ही रांघडों व पठानों की किसी अन्य समुदाय ने सहायता की थी।

आश्चर्य की बात ये है कि 1857 के ऐसे भीषण युद्धों का पाठय पुस्तकों में भी वर्णन नहीं किया गया। जबकि खरखौदा के युद्ध में तो चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस पदक भी मिला था।

रोहतक के किले का वासतविक चित्र जोकि 1870 में एक अंग्रेज द्वारा लिया गया था।

> छलावे की रणनीति के कारण हड़सन की सेना ने रोहतक वालों को दो तरफ से घेर लिया और कुछ समय तक 18 अगस्त को भीषण युद्ध हुआ। इसमें सेनानियों को भारी हानि के बाद पराजय का मुंह देखना पड़ा। परन्तु रोहतक के किले पर कुछ बन्दूक धारियों की उपस्थिति के कारण वहां पर अंग्रेजों का कब्जा नहीं हो सका।

संस्कृति को जीवंत करने का माध्यम है हास्य कला : आजाद दूहन

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने के लिए लोक कलाकारों ने अपनी अलग-अलग विधाओं में समाज को भी नई दिशा दी है। ऐसे ही कलाकारों में हास्य कलाकार आजाद दूहन हरियाणवी संस्कृति का संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। हरियाणवी चुटकुला सम्राट के रूप में अपनी पहचान बना चुके रेडियो कलाकार आजाद सिंह दूहन ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर करते हुए कहा कि किसी भी विधा में कला के माध्यम से समाज को अपनी संस्कृति और सभ्यता तथा परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश देना संभव है।

लोक कलाकार आजाद सिंह दूहन का जन्म 2 अक्टूबर 1972 को हिसार जिले के गांव बनभौरी में एक किसान परिवार में श्रीचंद और रोशनी देवी के घर में हुआ। ग्रामीण पृष्ठभूमि में गांव में पले-बढ़े आजाद के परिवार में उनके दादा खेती करते थे और पिताजी श्रीचन्द्र मुख्य अध्यापक से सेवानिवृत्त हुए, जो अब परिवार में खेती बाड़ी करते आ रहे है। भले ही उनके परिवार में कोई साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन उनके दादा जी बचपन में उन्हें कहानियां सुनाते थे और उनसे भी कविताएं सुनते थे। घर में उनकी माता एक कुशल गृहणी रही हैं। इसलिए उनकी बचपन से ही संस्कृति एवं प्रकृति संरक्षण के प्रति अभिरुचि रही है। बकौल आजाद सिंह, उनकी प्राइमरी शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल से हुई। जबकि इंटरमीडिएट बरवाला के स्कूल और एमएसएसी(भूगोल) में राजकीय कालेज हिसार से उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने जाट कालेज से बीएड की डिग्री हासिल की। बीएड के आधार पर आजाद एक शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए और फिलहाल वे पनिहारी के प्राइमरी स्कूल में अध्यापन कार्य कर रहे हैं। उनकी कला का यह सफर 1988 से शुरू हुआ, लेकिन 1990 में यह सफर राजकीय महाविद्यालय हिसार में उड़ान भरता नजर आने लगा, जहां उनके गुरु प्रो. प्रोफेसर गुगनराम गोदारा ने उन्हें हास्य कला के लिए बेहद प्रोत्साहित किया है और उनके मार्गदर्शन एवं सानिध्य में ही 'हरियाणवी नाटक, मंच संचालन, हरियाणवी हास्य में विशेषकर चुटकलों में भाग लिया। उनका कहना है कि शुरुआती दौर में उन्होंने परिवार को बिना बताये डरते-डरते लोक कला क्षेत्र कदम रखा, लेकिन धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो गया। 1993 में वह बिना बताए घर से नैनीताल कैंप में भाग लेने के लिए गये। उन्होंने फिल्म ऐपरिशियेशन वर्कशाप में भाग लेकर अभिनय की बारीकियां सीखी और इसी साल राष्ट्रीय यूथ लिडरसीप कैम्प नैनीताल में सर्वश्रेष्ठ कैम्पर का पुरुस्कार हासिल किया। हालांकि इससे पहले उन्होंने साल 1988 में दसवीं कक्षा के दौरान विद्यालय स्तर पर राजकीय उच्च विद्यालय बरवाला में पहली बार मंच से कविता सुनाई थी। उसके बाद युवा संसद प्रतियोगिता में भाग लिए लिया और यह युवा संसंद पूरे राज्य में प्रथम आई, जिसमें उन्होंने लोकसभा महासचिव के किरदार की भूमिका निभाई। आज वह एक रेडियो कलाकार के रूप में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयो के सांस्कृतिक निर्णायक मंडल में भी शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं मंचों पर उनकी हास्य व्यंग्य प्रस्तुति का मूल उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार एवं हरियाणवी संस्कृति एवं प्रकृति को बढ़ाना है। हरियाणवी हास्य नाटिका के मंच से लगातार पांच वर्ष तक हरियाणा दिवस पर चुटकुले सुनाने में प्रथम रहा। इस उपलब्धि को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा साल 1995 में उन्हें चुटकुला सम्राट के पुरस्कार से नवाजा गया। उन्होंने सातवें राष्ट्रीय युवा उत्सव का भी संचालन किया। यही नहीं, उन्होंने लगातार पांच साल तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक एवं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में राज्य स्तरीय चुटकुला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया।आधुनिक युग में लोक कला और संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर आजाद सिंह दूहन का कहना है कि इस इंटरनेट के युग में अभिनय, कला एवं संस्कृति संगीत बदलाव के दौर में है। वह संस्कृति एवं संगीत में अच्छे बदलाव के समर्थक हैं।

सम्मान और पुरस्कार

हरियाणा सरकार से चुटकुला सम्राट पुरस्कार और हरियाणा गौरव पुरस्कार से अलंकृत आजाद सिंह दूहन को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में रत्नावली हरियाणवी संस्कृति पुरस्कार भी मिल चुका है। वहीं कुरुक्षेत्र विविद्यालय में दूहन को सर्वश्रेष्ठ एक्टर के पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अशोका सांस्कृतिक अवार्ड भी दिया जा चुका है। हरियाणवी संस्कृति उपलब्धियां के आधार पर राज्य संस्कृति पुरस्कार और राष्ट्रीय स्तर पर अशोका सांस्कृतिक अवार्ड से भी उन्हें नवाजा जा चुका है।

महाआरती और भंडारे से हुआ वार्षिकोउत्सव का समापन

बाबा कांशीगिरी के प्राचीन डंडे की महिमा का किया बखान

झज्जर। बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में महाआरती में भाग लेते हुए श्रद्धालु, बाबा कांशीगिरी महाराज के चमत्कारी डंडे का आशीर्वाद लेते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- महाआरती और समष्टि भंडारे से हुआ वार्षिक उत्सव का समापन
- बाबा के प्राचीन डंडे के दर्शनार्थ दूर दराज से पहुंचे श्रद्धालु

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर का 79वां वार्षिकोत्सव वार्षिक रविवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन बाबा कांशी गिरी की महाआरती हुई और समष्टि भंडारे का आयोजन किया गया। बाबा की महाआरती में दिल्ली के उद्योगपति दीपक खट्टर एवं एसीपी वेद प्रकाश ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत भजन गायक योगेश रंजन की मंडली ने किया। योगेश रंजन के सुपर हिट भजन डंडा बाबे दा, पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। समापन अवसर पर पहुंचे आश्रम हरिमंदिर अमरधाम के अधिष्ठाता स्वामी उमानंद ने भी अपनी संगीतमय शैली में बाबा कांशीगिरी के प्राचीन डंडे की महिमा का बखान किया। इस अवसर पर स्वामी उमानंद ने दिल्ली, करनाल, सोनीपत, बहादुरगढ़, पानीपत में स्थित बाबा कांशी गिरी मंदिरों के सदस्यों को भी सम्मानित किया। मंदिर समिति प्रधान नरेंद्र मदान ने बताया कि इसी कार्यक्रम की श्रृंखला में ही आगामी श्राद्ध पक्ष में मंदिर प्रांगण में राम कथा का आयोजन भी किया जाएगा। रविवार को हुए कार्यक्रम में मंदिर संरक्षक श्रवण मदान, वीके नरूला, डॉक्टर गौतम प्रकाश, लक्ष्मी नारायण कठपालिया, वेद बहल पाशु, प्रदीप कठपालिया, आशीष चावला, सुधांश हंस, तारा चंद सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नीमनाथ मंदिर में हुआ भंडारे का आयोजन

- कमेटी प्रधान सूबेदार बलवान सिंह ने बताया कि बीते फाल्गुन माह में करीब 27 लाख रुपये की दानराशि एकत्रित हुई थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव सुरेहती स्थित दादा नीमनाथ मंदिर में रविवार को भंडारे का आयोजन किया गया। श्रद्धालु राजबीर रोहिल्ला ने बताया कि इस मंदिर में वर्ष भर में दो बार भंडारे का आयोजन किया जाता है। एक भंडारे का आयोजन जहां फाल्गुन माह में किया जाता है वहीं दूसरा आयोजन भाद्रपद माह में होता है। कमेटी प्रधान सूबेदार बलवान सिंह ने बताया कि बीते फाल्गुन माह में करीब 27 लाख रुपये की दानराशि एकत्रित हुई थी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बादली विधायक कुलदीप वत्स ने आयोजन में शामिल होकर बाबा के मंदिर में माथा टेक मन्नत मांगी तथा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर सूबेदार अनिल कुमार, धर्मराज, पहलाद, शमसेर, रामोतार, काले, पंडित सुनील, भोलू, विजयंत, अजय, साहिल, कृष्ण, जगबीर सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते हुए विधायक कुलदीप वत्स।

धानक समाज ने किया स्वतंत्रता सेनानी रामफल मंडल को नमन

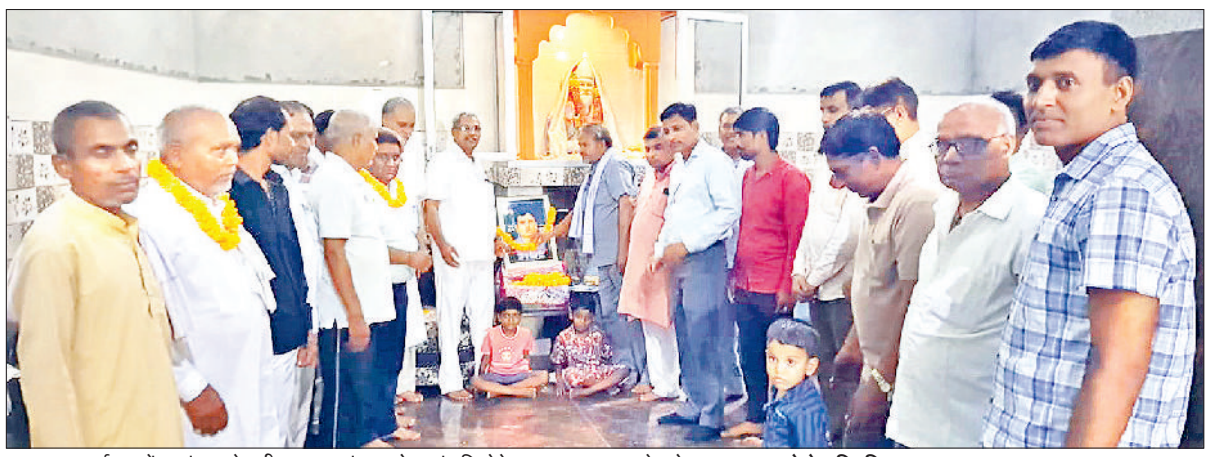

झज्जर। कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानी रामफल मंडल को श्रद्धांजलि देते हुए धानक समाज के लोग। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के पुरानी तहसील रोड स्थित धानक धर्मशाला में रविवार को धानक समाज के लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रामफल मंडल धानुक का शहीदी दिवस मनाकर उन्हें भावभीन श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संत कबीर शिक्षा समिति के प्रधान सूरजमल निनानिया ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में रामफल मंडल धानुक के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। 24 अगस्त 1943 को उन्हें भारत छोड़ो आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने पर अंग्रेजों द्वारा फांसी दी गई थी। इस दौरान धानक समाज के लोगों ने अमर सेनानी रामफल मंडल की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर दिल्ली से ओमप्रकाश निनानिया, रिटायर्ड एसआई धनराज सिंह, रामरतन, वजीर सिंह, डॉक्टर जय किशन इंदौरा, डॉक्टर रमेश खरोड़, रिटायर्ड इंस्पेक्टर प्रताप सिंह इंदौरा, एडवोकेट रवि इंदौरा, सुरेंद्र खनगवाल, मास्टर कृष्ण किराड़, एमडी खन्ना, रमेश कायत, डॉक्टर प्रवीण सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

पांच करोड़ की हेरोइन के साथ दो महिला सप्लायर अरेस्ट

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने दो मादक पदार्थ आपूर्तिकर्ता महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के बाद एक बड़े हेरोइन तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया गया है। इनके पास से बरामद हेरोइन की कीमत पांच करोड़ रुपये आंकी गई है। कुल 1,049 ग्राम हेरोइन, एक स्कूटर, नकदी और मोबाइल फोन जब्त किया गया है। डीसीपी संजीव कुमार यादव के अनुसार इस गिरोह की सरगना नंद नगरी निवासी 54 वर्षीय सीमा और शाहदरा में रहने वाली उसकी भाभी (43) हैं। दोनों महिलाओं को 22 अगस्त को जीटीबी अस्पताल के निकट से गिरफ्तार किया गया था। उस समय दोनों नंद नगरी के डी-ब्लॉक में स्थित झुग्गी-बस्ती में हेरोइन पहुंचाने की कोशिश कर रही थी। पुलिस के अनुसार दोनों नीले रंग के स्कूटर पर सवार थीं। स्कूटर को भी जब्त कर लिया गया है।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान यज्ञ में आहुति डालते हुए आर्यजन। फोटो :हरिभूमि

यज्ञ को अपनी दिनचर्या में शामिल करें मनुष्य : ब्रह्मचारी इंद्रजीत

झज्जर। माता गेट स्थित आर्य समाज मंदिर में रविवार को साप्ताहिक यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में आर्यजनों के साथ-साथ अनेक युवाओं ने कार्यक्रम में भागीदारी करते हुए आहुति डाली। कार्यक्रम में ब्रह्मचारी इंद्रजीत ने विधिवत रूप से यज्ञ में आहुति डलवाते हुए यज्ञ पूर्ण कराया। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में लिखा है कि मनुष्य को यज्ञ को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। यज्ञ करने से ना केवल पर्यावरण सुगंधित होता है बल्कि मन में भी शांति का अनुभव होता है। इसके अलावा यज्ञ करने वाले व्यक्ति की सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। उन्होंने युवाओं को नशे आदि से दूरी रहने व धार्मिक व सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान डॉक्टर गौतम आर्य, प्रकाशवीर आर्य, जितेंद्र आर्य, विनय, रमेश आर्य, संदीप, ढलीप, विनय चंदा, यतिन तनेजा, अखिल डोगरा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

एयरपोर्ट पर करीब 25 करोड़ का गांजा जब्त

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री के पास से करीब 25 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा जब्त किया गया है। सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग ने 'एक्स' लिखा कि 21 अगस्त को सिंगापुर होते हुए बैंकॉक से नयी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर पहुंचने के बाद एक भारतीय को रोका गया। ड्यूटी पर तैनात सीमा शुल्क अधिकारियों ने यात्री के निजी सामान की गहनता से जांच की।

घेवर सेवा समिति ने जुटाए 11 लाख गोशाला में भेंट

- हवन पर यजमान के तौर पर अमित फौगाट और नवीन फौगाट उपस्थित रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गोधन सेवा समिति के जाखोदा केंद्र पर रविवार को हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। हवन पर यजमान के तौर पर अमित फौगाट और नवीन फौगाट उपस्थित रहे। हवन के बाद उन्होंने घेवर सेवा के लाभ से अर्जित 11 लाख की धनराशि समिति को भेंट की। बीते 4 साल में वे समिति को 44 लाख रुपये का सहयोग दे चुके हैं। हवन को विधि विधान से आचार्य सोमवीर आसोदा ने संपन्न कराया।

बहादुरगढ़। अमित व नवीन फौगाट को सम्मानित करते समिति सदस्य। फोटो :हरिभूमि

हवन के बाद अमित फौगाट व नवीन फौगाट ने गोधन सेवा की

बता दें कि अमित व नवीन फौगाट द्वारा गौधन सेवा समिति के बादली रोड व जाखोदा उपचार केंद्र के बाहर 4 वर्षों से घेवर सेवा की जा रही है। इससे होने वाले लाभ में से अधिकांश धनराशि वे समिति को गोसेवा के लिए देते हैं। इस बार भी उन्होंने 11 लाख रुपए समिति पदाधिकारियों को सौंपे। वे 4 सालों के दौरान घेवर सेवा के लाभ से 44 लाख की धनराशि गौधन सेवा समिति को गोसेवा के लिए भेंट कर चुके हैं। समिति सदस्यों ने अमित फौगाट, नवीन फौगाट व उनके परिजनों को पटके पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रमेश राठी, कृष्ण चावला, बिजेंद्र राठी, सुदामा तायल, नीतीश गौड़, राजेंद्र जांगड़ा, संजय गुप्ता, राजा जून व सोनू बंसल आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव बताए

बहादुरगढ़। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत लाइनपार के शक्ति विद्या मंदिर हाई स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसमें बीके सुमन, सविता व आरडी अरोड़ा ने विद्यार्थियों को नशे की लत से दूर रहने का संदेश दिया। स्कूल निदेशक प्रवीण कुमार शर्मा ने भी विद्यार्थियों को बुरी आदतों से दूर रहने व स्वस्थ आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में राजेश्वरी देवी, पूनम, उर्मिला, अनुराधा, तरुण कौशिक, कीर्ति शर्मा, मुस्कान आदि मौजूद रहे।

- स्वस्थ आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया

भारत विकास परिषद की बहादुरगढ़ शाखा ने आयोजित की शाखा स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में विजया सीनियर सेकेंडरी स्कूल नूना माजरा प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भारत विकास परिषद की बहादुरगढ़ शाखा ने रविवार को श्री रामा भारती पब्लिक स्कूल में शाखा स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता आयोजित की। कार्यक्रम में नगरपरिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बहादुरगढ़ शिक्षा सभा के अध्यक्ष श्रीनिवास गुप्ता और जयभगवान वर्मा ने अति विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय उपाध्यक्ष मूलचंद जोशी ने की। जिला समन्वयक सतीश शर्मा ने भारत विकास परिषद का परिचय दिया। चेयरपर्सन सरोज राठी ने कहा कि भाविप देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों की समूहगान प्रतियोगिता आयोजित कर बच्चों में देशभक्ति की भावना को जागृत करती है। प्रतियोगिता में विजया सीनियर सेकेंडरी स्कूल नूना माजरा ने प्रथम स्थान, श्री रामा भारती पब्लिक स्कूल नाहरा नाहरी रोड ने द्वितीय स्थान और विजया सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहन नगर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में मंच संचालन शाखा सचिव विजय पुन्हानी और विनोद गिरधर ने किया। परिषद की तरफ से सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। शाखा अध्यक्ष रमेश गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर एमएस भाटी, सुभद्रा घरोटे, कर्मवीर राठी, यशपाल गांधी, अनिल शर्मा, डॉ. संजय सिंह, डॉ. पूनम सिंह, पवन जैन, डॉ. कुलदीप जून, वीरेंद्र कौशिक, जयभगवान सरपंच, रमेश सुखीजा, डॉ. संजीव कुक्कल, सुरेंद्र कौशिक, गौरीशंकर गाडोदिया, श्याम घरोटे, राधा भाटी, प्रेम बंसल, हरमिलाप गर्ग व राकेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

- समूहगान प्रतियोगिता से जागृत की देशभक्ति की भावना
- प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

बहादुरगढ़। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों के साथ अतिथि व भाविप पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

बोरे में मिली गुमशुदा युवती की लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के डाबड़ी थाना क्षेत्र से लापता हुई युवती की बोरे में बंद लाश बरामद हुई है। परिजनों ने रविवार सुबह ही गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। दोपहर बाद शव सड़क किनारे बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार राहगीर ने शव को देखकर सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस हत्यारे और शव को ठिकाने लगाने वाले की तलाश में जुटी है। आसपास के इलाके में लगे कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर बाद बारिश के बीच एक राहगीर को रास्ते में तेज दुर्गंध आई। जब आसपास नजर दौड़ाई तो उसे बोरे से लिपटा एक शव नजर आया। उसने फौरन मामले से पुलिस को अवगत कराया। पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि बोरे में एक युवती का शव है। शव करीब दो दिन पुराना माना जा रहा है। मामला युवती के शव से जुड़ा होने के कारण मौके पर सीनियर पुलिस अफसर भी पहुंचे। क्राइम टीम को बुलाकर मौके से साक्ष्य एकत्रित किए गए। पुलिस ने जब शव के पहचान की कोशिश शुरू की तो पता चला कि शव रूपा नामक युवती का है। रूपा घरेलू सहायिका के रूप में कार्य करती थी और इलाके में ही रहती थी। पिछले तीन महीने से वह काम नहीं कर रही थी।

खबर संक्षेप

शहीद राजगुरु को किया नमन

बहादुरगढ़। स्वतंत्रता सेनानी शिवराम हरि राजगुरु की जयंती पर रविवार को शहीद यादगार कमेटी ने उन्हें याद करते हुए नमन किया। राकेश वत्स ने क्रांतिकारी शिवराम हरि राजगुरु को जयंती पर नमन करते हुए कहा देश की स्वतंत्रता के लिए होने क्रूर अंग्रेजी शासन के अत्याचार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जन-जन को जागृत किया। मातृभूमि की स्वाधीनता के लिए श्रद्धेय राजगुरु के संघर्ष, त्याग और पराक्रम का राष्ट्र सदैव ऋणी रहेगा।

श्रीराधा चरित्रामृत ज्ञान यज्ञ सप्ताह आज से

झज्जर। क्षेत्र के गांव जहाजगढ़ में सोमवार से श्रीराधा चरित्रामृत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का शुभारंभ किया जाएगा। आयोजक समिति सदस्य महेश कुमार, डॉक्टर सुधन सोनी, वीरेंद्र, दिनेश, विजय शर्मा, केशव, नवीन आदि ने बताया कि गांव के प्राचीन श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में शुरू होने वाले इस ज्ञान यज्ञ के पहले दिन सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकली जाएगी। इसके बाद दोपहर एक बजे से सायं चार बजे तक कथा का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि श्रीराधा जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे इस पहले आयोजन में राधा-कृष्ण परिवार वृंदावन धाम से कथा व्यास श्रीदास विनोद हरि 31 अगस्त तक प्रतिदिन कथा श्रीराधा रानी की कथा का रसापान कराएंगे।

मोटरसाइकिल चोरी मामले में आरोपी पकड़ा

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा मोटरसाइकिल चोरी मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस चौकी बेरी प्रभारी सतबीर ने बताया कि मनीष निवासी बेरी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान कृष्ण निवासी भटेडा के तौर पर की गई है। आरोपी से चोरी की हुई मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हरियाणा ओलंपिक एसो. ने उठाई थी खेल कोटे से खाली पदों पर भर्ती की मांग

रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती को लेकर खिलाड़ियों की उम्मीद बढ़ी

शीघ्र परीक्षा की जानकारी देते हुए युवाओं से तैयारी में जुटने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल के साथ उपाध्यक्ष राकेश कोच।

हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन ने राज्य सरकार से खेल कोटे से खाली पड़े पदों पर जल्द भर्ती करने की मांग उठाई थी। हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने भी इंटरनेट मीडिया पर शीघ्र परीक्षा की जानकारी देते हुए युवाओं से तैयारी में जुटने का आह्वान किया था। अब युवा इसे लेकर संजीदगी से तैयारी में जुटे हैं। उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही उन्हें इस संदर्भ में खुशखबरी सुनने को मिलेगी।

हरियाणा में लंबे समय से खेल कोटे से भरे जाने वाले पदों के लिए परीक्षा नहीं हुई है। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष कैप्टन जसविंदर मीनू बेनीवाल ने एचएसएससी के चेयरमैन को पत्र लिखकर यह मुद्दा उठाया था। उनके अनुसार लंबे समय से विभिन्न विभागों में खिलाड़ियों के लिए आरक्षित पद खाली पड़े हैं। जिससे खिलाड़ियों और उनके परिवारों में गहरी नाराजगी है।

कई खिलाड़ी राज्य और देश का नाम रोशन कर चुके हैं और अब उन्हें सरकार की खेल नीति के तहत उचित रोजगार का इंतजार है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मामले में हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन सरकार को पूरा सहयोग देगा। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह सांगवान ने विशेष रूप से जूनियर कोच, टीजीटी फिजिकल एजुकेशन, हरियाणा पुलिस कांस्टेबल, जेल वार्डन और असिस्टेंट लाइनमैन जैसे पदों को भरने की मांग की है। इस भर्ती के लिए खिलाड़ियों ने बड़ा संघर्ष किया है। उनके अनुसार इन पदों पर भर्ती होने से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा और प्रदेश की खेल उत्कृष्टता को नई दिशा मिलेगी।

यह पत्र मिलने के बाद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने खुद इंटरनेट मीडिया पर खेल कोटे के पदों की परीक्षा को लेकर जानकारी सांझा की है। उनकी फेसबुक पोस्ट के अनुसार एचएसएससी खेल कोटे के अंतर्गत विभिन्न पदों की परीक्षाएं जल्द आयोजित करेगा। उन्होंने अभ्यर्थियों से परीक्षा की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उनके अनुसार आयोग द्वारा खेल कोटे के अंतर्गत विभिन्न पदों की परीक्षाओं के आयोजन की परीक्षा तिथि व अन्य विवरण जल्द ही आधिकारिक रूप से जारी कर दिए जाएंगे। यह सुखद जानकारी मिलने के बाद पहलवानों से लेकर मुक्केबाज, धावकों से लेकर कबड्डी खिलाड़ी और एथलीट तक अपने-अपने मैदानों में तैयारी कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि जल्द परीक्षाएं होंगी और उन्हें नौकरी मिलेगी।

लंबित मांगों को लेकर शिक्षामंत्री से मिले राजकीय बहुतकनीकी यूनियन सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। शिक्षामंत्री के समक्ष अपनी बात रखते हुए यूनियन के पदाधिकारी।

रविवार को राजकीय बहुतकनीकी यूनियन के सदस्य शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा से मिले। यूनियन के प्रधान नरसिंह परमार ने बताया कि राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समिति और राजकीय बहुतकनीकी के विलय को लेकर दोनों यूनियनों द्वारा लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। इन दोनों के विलय में मुख्य अड़चन राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समितियों के स्टाफ की है, जो प्रमोशन नियमों वा मापदंडों को ताक पर रखकर की जा रही है। उसे रोका जाना चाहिए। उन्होंने मंत्री से मांग की है कि प्रमोशन से पूर्व राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समितियों का राजकीय बहुतकनीकी में विलय का काम पूरा किया जाए। यह कार्य विभाग में पिछले करीब आठ महीनों से लंबित पड़ा है। इस कारण राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समिति स्टाफ की ट्रांसफर भी रुकी हुई है। जो सरप्लस स्टाफ है वो जरूरत अनुसार अन्य कॉलेज में नहीं जा सकता है। उन्होंने बताया कि निदेशालय में भी दो विभाग अलग-अलग कैडर के बना रखे है, जिसमे एक है राजकीय बहुतकनीकी कैडर और राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समिति कैडर, जिसके कारण अधिक स्टाफ की जरूरत पड़ती है। विलय होने से जहां निदेशालय में स्टाफ की कम जरूरत पड़ेगी, वहीं ऑनलाइन ट्रांसफर भी खुल जाएगी। ऐसे में सरप्लस स्टाफ को कहीं भी शिफ्ट किया जा सकता है। मंत्री ने यूनियन पदाधिकारियों की बात सुनने के बाद संबंधित विसंगतियों को दूर करने का आश्वासन दिया।

झाड़ली रेलवे स्टेशन परिसर में लगाई त्रिवेणी

झज्जर। आम जन विकास सेवा समिति द्वारा पौधारोपण अभियान के अंतर्गत झाड़ली रेलवे स्टेशन परिसर में त्रिवेणी रोपित की गई। समिति के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने बताया की एक पेड़ मां के नाम अभियान को सफल बनाने के लिए संस्था सदस्य जहां लोगों को पर्यावरण सरंक्षण के लिए जागरुक कर रहें हैं वहीं उनमें पौधा वितरण भी किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान झाड़ली पुलिस चौकी इंचार्ज राहुल ने मुख्य रूप से शिरकत की। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे पौधारोपण के बाद रोपित किए गए पौधे की देखभाल का जिम्मा लें। इस दौरान मौजूदा लोगों द्वारा पौधों को नियमित रूप से पानी और उनकी देखभाल संबंधी शपथ भी ली। इस मौके पर सन्नी कुमार, बाबूलाल, सत्यबीर सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। रेलवे स्टेशन परिसर में पौधारोपण करते हुए समिति सदस्य व मुख्यातिथि।

ब्रह्माकुमारियों के शिविर में 239 ने किया रक्तदान

- दादी प्रकाशमणि के 18वें स्मृति दिवस पर ब्रह्माकुमारीज ने किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कैंप में रक्तदाता को प्रोत्साहित करती ब्रह्माकुमारी बहनें।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बहादुरगढ़ द्वारा रविवार को अग्रसेन धर्मशाला में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 239 यूनिट रक्त संचय किया गया। यह शिविर राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की पुण्यतिथि और विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया।

रक्तदान शिविर के आयोजन में रेडक्रॉस सोसाइटी झज्जर से दीपक कुमार की टीम, लोकहित समिति के नरेश कौशिक, महाराजा अग्रसेन ट्रस्ट, इंडिपथ विजन फाउंडेशन तथा वैश्य बीएड कॉलेज की स्वयंसेविकाओं का विशेष सहयोग रहा। शिविर का शुभारंभ नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक नरेश कौशिक, श्रीनिवास गुप्ता, दिनेश कौशिक, कर्मवीर राठी, धर्मवीर वर्मा, राजपाल जांगड़ा, जसबीर सैनी, रमेश राठी, पवन जैन, एनएस कपूर व वजीर दहिया आदि उपस्थित रहे। बीके अंजलि दीदी ने कहा कि दादी प्रकाशमणि ने सदैव सेवा, त्याग और मानवता की भावना को जीवन में उतारा। रक्तदान शिविर के माध्यम से उनकी प्रेरणा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। बीके विनीता बहन ने कहा कि लोगों को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि रक्तदान से गरीब और जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। बीके रेणू बहन ने बताया कि ब्रम्हकुमारीज की ओर से समय-समय पर इस तरह के आयोजन किए जाते रहे हैं, जिससे देश व समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वाह किया जा सके।

एआईयूटीयूसी ने देवीलाल पार्क में की मीटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। देवीलाल पार्क में मीटिंग करते एआईयूटीयूसी सदस्य।

ऑल इंडिया यूनाईटेड ट्रेड यूनियन सेंटर (एआईयूटीयूसी) की अखिल भारतीय कमेटी के आह्वान पर सरकार की मजदूर विरोधी व पूंजीपति हितैषी नीतियों के खिलाफ 4 सितंबर को देश की राजधानी दिल्ली में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसे लेकर शुक्रवार को देवीलाल पार्क में कंपनी वर्करों और कर्मचारियों की ग्रुप मीटिंग हुई।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर सिंह राठी ने बताया कि संघर्षों से प्राप्त अनेक श्रम क़ानूनों को खत्म करके भाजपा सरकार ने मजदूर विरोधी व मालिकपरस्त चार लेबर कोड बना दिए हैं। इनके माध्यम से श्रमिकों से उनके वैधानिक अधिकार छीन लिए हैं। लेबर कोड लागू होने पर स्थाई नौकरी समाप्त करने के लिए अल्प अवधि रोजगार का प्रावधान ला रही है। जिला सचिव सतीश कुमार ने बताया कि न्यूनतम वेतन समाप्त करने के लिए फ्लोर वेज की अवधारणा, 8 घंटे कार्य दिवस को 12 घंटे करने, नाइट शिफ्ट में महिलाओं से ड्यूटी लेने, छंटनी, तालाबंदी, ले-ऑफ करने का अधिकार मालिकों को देकर जैसे जनतांत्रिक व ट्रेड यूनियन अधिकारों को पंगु बनाया जा रहा है।

मिड डे मील वर्कर राज ने कहा कि स्कीम वर्करों करे नाममात्र का मानदेय देकर काम तो सरकारी करवाया जाता है, लेकिन उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा नहीं दिया जा रहा। सतबीर सिंह ने कहा कि एनपीएस और यूपीएस के तहत पेंशन हटाकर पुरानी पेंशन स्कीम लागू की जाए।

मीटिंग में लालजी, रामू, संजीवन, राज रानी, अनिता, ममता, राधे, प्रेम व राम अवतार आदि शामिल रहे।

शहर स्वच्छता अभियान आज से शुरू

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि सीएम नायब सिंह सैनी ने शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 की शुरुआत की है। यह अभियान 24 अगस्त से शुरू होकर 7 नवंबर तक शहरी निकाय क्षेत्रों में चलाया जाएगा। अभियान का नारा हर मौहल्ला, हर गली, हर मकान-स्वच्छ हरियाणा की पहचान रहेगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान में स्वच्छता को लेकर जिला स्तर पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सरकारी व निजी कार्यालयों की सफाई, भवनों की पुताई, धार्मिक व पर्यटन स्थलों का सौंदर्यीकरण, सड़कों व नालों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट और साइन बोर्ड दुरुस्ती जैसे कार्य किए जाएंगे। इसके अलावा स्कूलों, आरडब्ल्यूए, एनजीओ और बाजार संघों की भागीदारी से जागरूकता रैलियां के माध्यम से नो प्लास्टिक ड्राइव जैसे कार्यक्रम होंगे।

हमारा दायित्व है गोमाता की रक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। भारत भूषण को स्मृति चिह्न देते अशोक राठी व अन्य।

विश्व हिंदू परिषद के गौरक्षा व गौसंवर्धन प्रांत प्रमुख भारत भूषण का बहादुरगढ़ में सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी ने स्वागत-सम्मान किया। इस दौरान गांव परनाला में एक गौशाला बनाने को लेकर भी चर्चा हुई।

विहिप नेता भारत भूषण के अनुसार आज विश्वभर में भारतीय देशी गोवंश के दिव्य गुणों को समझकर भारतीय देशी गोवंश की मांग बढ़ रही है। जिसका दूध, दही, घी, मक्खन, छाछ, गोबर गोमूत्र जो मानव स्वास्थ्य और कृषि दोनों के लिए सर्वाधिक उपयोगी है।

सबको गोमाता के पवित्र कार्य में लगकर गोसेवा, गोरक्षा, गोसंवर्धन के कार्य में लग जाना चाहिए। सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी ने बताया कि गाय से मनुष्यों को अनेक लाभ होते हैं, हमारा भी कर्तव्य है कि हम उनका लालन पालन सावधानी व श्रद्धा से करें। सभी देशवासियों को गोहत्या रोकने के लिए आगे आना चाहिए। यह पुण्य का कार्य है।

गाय बचेगी तभी हमें गोघृत मिलेगा, हम यज्ञ कर सकेंगे और वैदिक धर्म व संस्कृति भी सुरक्षित तभी रह पाएगी। गाय हमारी माता है और उसकी रक्षा हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर जितेंद्र बामड़ोली, सुनील खत्री, राकेश, जोगी, जगबीर व रमेश आदि मौजूद रहे।

भाजपा के चारों मंडलों की बैठकों में हुई चर्चा

- जनसंपर्क अभियान को गति देने के साथ आगामी कार्यक्रमों की रणनीति बनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते भाजपा नेता।

रविवार को भाजपा के चारों मंडलों (शहरी मंडल, कानौंदा मंडल, मांडौठी मंडल व अटल मंडल) की कार्यकारिणी बैठक हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र दलाल, राजपाल जांगड़ा, दिनेश कौशिक, दिनेश शेखावत व जयकिशन छिल्लर ने कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया।

पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र दलाल ने प्रदेश व केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में बताते हुए प्रसार प्रसार का आह्वान किया। पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा ने पंच परिवर्तन व सेवा पखवाड़े को लेकर अवगत करवाया। जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने संगठनात्मक विस्तार व बूथ स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। दिनेश कौशिक ने मन की बात, सरल पोर्टल, संगठनात्मक विस्तार व कार्यक्रमों पर चर्चा की। दिनेश शेखावत व जयकिशन छिल्लर ने मन की बात व सरल पोर्टल को लेकर जानकारी दी। भाजपा नेताओं ने संगठन की शक्ति का महत्व समझाते हुए कहा कि कार्यकारिणी के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता की भूमिका को महत्वपूर्ण है। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं के परिश्रम और समर्पण से ही भाजपा को शक्ति मिलती है। बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे भाजपा को अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रयास करेंगे। इस मौके पर चेसरपर्सन सरोज राठी, पंकज जैन, मंडल अध्यक्ष संजय सैनी, पंकज गर्ग, महाबीर दलाल व सुदेश रंगा समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

निर्वाण दिवस समारोह में उमड़े हजारों श्रद्धालु

पौधरोपण नितानंद महाराज की सच्ची आराधना: महंत राजेंद्र दास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण करते हुए महंत राजेंद्र दास महाराज।

नितानंद महाराज उन उच्च कोटि के संत महात्माओं में से एक थे जिन्होंने राजसी ठाठ-बाट छोड़कर माजरा के जटेला धाम में पेड़ पौधों के बीच में ईश्वर भक्ति की थी तथा एक आदर्श काव्यग्रंथ सत्य सिद्धांत प्रकाश मानवता को दिया। जिसमें पेड़ पौधों की महिमा का विशेष रूप से गुणगान किया गया है। इसलिए पेड़ पौधों की सेवा ही नितानंद महाराज की सच्ची भक्ति है। ये उद्गार नितानंद महाराज के 226वें निर्वाण दिवस पर जटेला धाम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महंत राजेंद्र दास ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नितानंद महाराज को स्वर्गारोहण हुए 225 वर्ष हो गए हैं। यदि हम उनकी गणना करें तो 82125 दिन बनते हैं। इसलिए इन 82125 पौधों की सेवा से 225 वर्षों की तपस्या के समान है। उन्होंने उत्तराखंड व राजस्थान सहित अन्य 12 प्रदेशों में भी पौधा रोपण अभियान की अलख जगाई,जिससे भारत में पर्यावरण संरक्षण की एक जागृति आ गई। आज जो 51 हजार पौधे आपने रोपने का संकल्प दिया है उन सभी की सेवा करना ही नितानंद महाराज की पूजा है। वहीं वन संरक्षक नवदीप हुड्डा ने कहा कि पौधारोपण के अभियान को राजेंद्र दास महाराज ने एक आंदोलन के रूप में लिया है और प्रकृति को बचाने की एक हरियाणा में एक क्रांति पैदा कर दी है। इस मौके पर पीतांबर शर्मा, डॉक्टर लक्ष्मी नारायण, डॉक्टर मनमोहन शर्मा, राजवीर डबास, सुनील कादियान सहित अन्य भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉक्टर यशवीर ने किया।

प्रतिभाशाली युवाओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

दिल्ली के सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले ट्रस्ट द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में सैनी, कुशवाहा, शाक्य, मौर्य समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के युवाओं को शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में बहादुरगढ़ से जसबीर सैनी, बिजेंद्र सैनी, रोहित सैनी, राजपाल सैनी, भूपेंद्र सैनी, राजू सैनी, पुनीत सैनी, जीवन सैनी, नवीन सैनी, नीरज सैनी व अतरे सैनी आदि शामिल हुए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि समाज के युवाओं की उपलब्धियाँ न केवल परिवार और समाज बल्कि पूरे राष्ट्र को गौरवान्वित करती हैं। साथ ही, ऐसे आयोजनों से युवाओं में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।